

भावनात्मक बुद्धिमत्ता

भावनात्मक बुद्धिमत्ता (EI)

EI अपनी और दूसरों की भावनाओं को समझने और प्रबंधित करने की क्षमता है

इतिहास

- बेन पायने द्वारा पहली बार इसका उपयोग किया गया (1986)
- 1990 में, डैनियल गोलेमैन ने EI पर अपनी पुस्तक प्रकाशित की, इसके बाद से ही EI की अवधारणा विश्व भर में प्रचलित हुई।

बुद्धिलब्धि (IQ) बनाम संवेगात्मक लव्धि (EQ)

- IQ संज्ञानात्मक क्षमताओं का प्रतिनिधित्व करता है, EQ भावनात्मक का प्रतिनिधित्व करता है



उपयोगिता /

विश्लेषणशीलता

- विश्लेषणात्मक विचार
- तक्र
- स्मरणशक्ति
- अतिसक्रियता
- एकाग्रता
- समझ



परिकल्पना /

सम्प्ररचनात्मक विचार

- अंतः प्राप्ति
- सहानुभूति
- रचनात्मकता
- कला/संरीत
- जागरूकता
- अभिभावणा

EI का बार-ऑन मॉडल

- EI को परस्पर संबंधित भावनात्मक और सामाजिक दक्षताओं, कौशलों तथा व्यवहारों की एक श्रृंखला के रूप में वर्णित किया गया है जो बुद्धिमत्तापूर्ण व्यवहार को प्रभावित करते हैं।

EI के प्रमुख घटक (डैनियल गोलेमैन के अनुसार)

- डेविड गोलेमैन ने EI से संबंधित 5 प्रमुख घटकों की एक रूपरेखा विकसित की



महत्व

- **व्यक्तिगत जीवन में:**
 - बेहतर सामाजिक संवैध
 - बेहतर मानसिक स्वास्थ्य एवं तनाव प्रबंधन
 - प्रभावी नेतृत्व
 - नियंत्रण लेने की क्षमताओं में सुधार

प्रोफेशनल जीवन में:

- दूसरों को प्रशिक्षित करने और प्रेरित करने में मदद करता है
- सहयोगात्मक संस्कृति का विकास होता है
- टीमों के भीतर मनोवैज्ञानिक सुरक्षा का निर्माण होता है

सिविल सेवाओं में:

- समस्याओं की प्रक्रिया की बेहतर समझ
- बेहतर लक्षित नीतियाँ
- अधीनस्थों की प्रेरित करना
- अधिक नवीन समाधान

भावनात्मक रूप से बुद्धिमान होने के लक्षण

- लोग क्या महसूस कर रहे हैं, उसे पहचानने और वर्णन करने में सक्षम होना
- व्यक्तिगत शक्तियों और कमज़ोरियों से अवगत होना
- आत्मविश्वास और आत्म-स्वीकृति
- अपनी गलतियों को स्वीकार करने और दूसरों की अभिग्राह्यता (receptivity) को लाने में सक्षम होना
- दूसरों के प्रति चिंतित और उनकी भावनाओं के प्रति संवेदनशील महसूस करना

EI कोशल विकसित करना

- जर्नल लिखने की आदत विकसित करें
- नियमित रूप से अपनी भावनाओं का परीक्षण करें
- दूसरों की प्रतिक्रिया लें
- दूसरों की बातों को ध्यान से सुनें
- सहानुभूति विकसित करें
- संघर्ष समाधान तकनीक सीखें
- सहयोग का अभ्यास करें